एसआरएन अस्पतालमें तीमारदारोंको कमरेमें बंदकर पीटा

२५ से ३० अज्ञात डाक्टरोंपर मारपीटका आरोप, मोबाइल एवं चेन छिनैती, ड्यूटीमें तैनात डाक्टर निलंबित

एसआरएन अस्पताल में गुरुवार रात डाक्टरों द्वारा मरीज के तीमारदारों के साथ मारपीट, कमरे के अंदर बंधक बनाने और छिनैती करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक डॉक्टर ने पुलिस चौकी में पीड़ित की पत्नी के पेट में लात भी मार दी। कोतवाली थाना पुलिस अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। वहीं इमरजेंसी मेडिसिन वार्ड में हुई घटना को देखते हुए उस समय ड्यूटी पर तैनात सभी जूनियर एवं सीनियर रेजिडंटे डाक्टरों को विभागीय स्तर पर निलबित कर दिया गया है। सभी निलंबित डाक्टर जांच अवधि तक प्राचार्य कार्यालय से संबद्ध रहेंगे।

अल्लापुर के रहने वाले सर्वेश शुक्ला ने कोतवाली थाने में पुलिस को तहरीर देकर बताया कि गुरुवार शाम करीब सात बजे वह अपने चालक कृष्ण कुमार केसरवानी के साथ नर बहादुर नामक व्यक्ति को लेकर स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल इलाज कराने पहुंचे। यहां सुरक्षा गार्ड ने ट्रामा सेंटर स्थित एक कमरे में जाने को बोला। सर्वेश ने पुलिस को बताया कि कमरे में एक डाक्टर चश्मा व मास्क लगाकर बैठे थे। आरोप लगाया कि चालक ने उनसे इलाज की बात कही तो इनकार करते हुए अभद्रता की। जबकि चालक कहता रहा कि मरीज की हालत काफी गंभीर है, लेकिन एक नहीं सुनी गई। उन्होंने भी डाक्टर से इलाज की बात कही तो वह और भी उग्र हो गए। इसी बीच १०-१५ डाक्टर आ गए और मारपीट शुरू कर दी। विरोध करने पर पलभर में १५ डाक्टर और आ गए और फिर उन्हें और चालक को दूसरे कमरे में घसीट ले गए। वहां कमरे में बंद कर बेहरमी से पीटा गया। इसमें दो महिला डाक्टर भी थीं, जो अभद्र भाषा का प्रयोग कर रही थीं। एक डाक्टर ने उनका गला दबा दिया। उनकी जंजीर व मोबाइल छीन लिया गया। इसी बीच किसी ने दरवाजा खटखटाया तो डाक्टरों में अफरातफरी मच गई। दरवाजा खुलने पर वह व्यक्ति भीतर आया और पानी पिलाया, तब जाकर उनकी हालत कुछ ठीक हुई। वह पुलिसकर्मी था। इसके बाद उसकी मदद से वह पास की पुलिस चौकी में पहुंचे। इंस्पेक्टर कोतवाली सुधीर कुमार सिंह का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर मामले से जुड़े हर बिंदु को खंगाला जा रहा है।

पुलिसकर्मियोंके सामने महिलाके पेटमें लात मारनेका आरोप

तहरीर में सर्वेश शुक्ला ने दी तहरीर में पुलिस को बतायाकि घटना के बाद वह पुलिस चौकी में पहुंचे। वहां से अपनी पत्नी को फोन लगाकर पूरी घटना बताई, जिसके बाद पत्नी प्रीति मौके पर पहुंची। उस समय वहां वह डाक्टर भी मौजूद था, जो चश्मा व मास्क लगाए ट्रामा सेंटर स्थित एक कमरे में बैठा था। आरोप लगाया कि पुलिसकर्मियों के सामने पत्नी के पेट में लात मारी, जिससे पत्नी को चोट आई है।

मेडिसिन विभागाध्यक्षसे मांगी गयी रिपोर्ट

मोतीलाल नेहरू मेडिकल कालेज के प्राचार्य डा. एके वर्मा के मुताबिक एसआरएन अस्पताल के इमरजेंसी मेडिसिन वार्ड में गुरुवार रात तीमारदारों और डॉक्टरों के बीच मारपीट की सूचना मिली है। मेडिसिन विभागाध्यक्ष डाक्टर मनोज माथुर से विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है। घटनाकी जांचके लिए कालेज प्रशासनकी ओर से तीन सदस्यीय जांच टीम गठित की गयी है।

ड्राइवरका लाइसेंस निरस्त, विद्यालय प्रबंधनको भेजा नोटिस

डीपीएस स्कूल वैनके चालकके खिलाफ मुकदमा

नैनी के डीपीएस स्कूल से घर वापसी के दौरान गुरूवार को एक छात्रा तस्वनी उदयांशी(८ वर्ष) दुर्घटना की चपेट में आ गयी जब वह स्कूली वाहन से अपना बैग उतार रही थी। इस दौरान वैन से कुचलकर दर्दनाक मौत हो गया। इस मामले में लापरवाही भी सामने आयी है। बिना सहायक के ही स्कूली वैन को चलाया गया था। छात्रा सुरक्षित तौर से वाहन से उतरी की नहीं, इसकी भी पुष्टि नहीं की गयी। इस पूरे प्रकरण को संज्ञान में लेकर परिवहन विभाग ने शुक्रवार को कारवाई की है। जिसके अन्तर्गत स्कूली वाहन के ड्राइवर सत्यपाल निवासी रेही खुर्द का लाइसेंस निलंबित किया गया है और विद्यालय प्रबंधन को नोटिस जारी किया गया है वहीं चालक के खिलाफ नैनी पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आगे की कारवाई शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार नैनी स्थित डीपीएस स्कूल से पढ़ाई के उपरांत घर वापसी के समय स्कूली फोर्स वैन से अपने घर प्रयागपुरम के बाहर उतरी। इस दौरान वैन में सहायक भी नहीं था। चालक ने बिना पीछे देखे ही गाड़ी को बैक कर दिया। जिससे वाहन की चपेट में आने से छात्रा बुरी तरह कुचल गयी थी। अस्पताल में चिकित्सीय परीक्षण के उपरांत छात्रा को मृत घोषित कर दिया गया। आरटीओ प्रवर्तन एसपी सिंह ने बताया कि इस मामले में वाहन चालक का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया है, जबकि विद्यालय प्रशासन पर भी शिकंजा कसना शुरू हो गया है। दुर्घटना के संबंध में विद्यालय प्रशासन को नोटिस भेजा गया है। इस नोटिस के जरिए यह स्पष्ट करने को कहा गया है कि घटना के समय वाहन में अटेंडेंट मौजूद था या नहीं। यदि अटेंडेंट मौजूद था, तो उसका विवरण सूची में क्यों नहीं दर्ज था। पूर्व में भी विभाग ने सघन अभियान चलाकर वाहनों में सहायक नहीं होने पर कुल ४० विद्यालयों को नोटिस भी दिया था लेकिन जमीनी हकीकत में अभी भी लापरवाही बरती जा रही है। आरटीओ प्रवर्तन एसपी सिंह ने बताया कि जांच में यह बात सामने आई है कि वाहन के अन्य सभी दस्तावेज और परमिट पूरी तरह सही थे। हालांकि, इसमें बच्चे की कोई गलती नहीं बल्कि ड्राइवर की जल्दबाजी और लापरवाही मुख्य रूप से जिम्मेदार बताई जा रही है। ड्राइवर द्वारा गाड़ी बैक करने से पहले यह सुनिश्चित नहीं किया गया कि बच्चा वाहन से पूरी तरह सुरक्षित हटा है या नहीं। इस मामले में पुलिस द्वारा एफआईआर पहले ही दर्ज की जा चुकी है।

हाथीपर सवार भगवान श्रीराम-लक्ष्मणने दिया भक्तोंको दर्शन

पूरे सजधजके साथ निकला राजरूपपुरका रामदल



विजयदशमी सौहार्द मेला ट्रस्ट राजरूपुर की ओर से शुक्रवार रात रामदल निकाला गया। इस दौरान हाथी पर सवार भगवान राम-लक्ष्मण ने पूरे पांच किलोमीटर के मेला मार्ग पर भ्रमण कर भक्तों को दर्शन दिये। भक्तों ने भगवान पर पुष्प वर्षा कर आशीर्वाद मांगा। रामदल की शुरुआत सांसद प्रवीण पटेल, महापौर एवं शहर पश्चिमी के विधायक सिद्धार्थनाथ सिंह सहित ट्रस्ट के अध्यक्ष अखिलेश मिश्रा सहित अन्य ने भगवान की आरती के साथ की। झलवा से शुरू रामदल में आठ कलात्मक झांकियां भी शामिल रहीं। जिसे देखने के लिए भक्त उमड़ पड़े। हाथी पर विराजमान भगवान श्रीराम एवं लक्ष्मण के मनोहारी दर्शन के लिए भक्त सड़कों, घरों की छतों पर देर रात तक मौजूद रहे। दल राजरूपुर होते हुए झलवा पहुंचा। जहां रामदल सम्पन्न हुआ। इस दौरान भगवान पर पुष्पवर्षा की गयी। राजरूपपुर व्यापार मंडल की ओर से निकाली गयी कंस वध की झांकी भी आकर्षण का केंद्र बनी रही। करीब पांच किलोमीटर की दायरे में मेला मार्ग पर आकर्षण लाइटें भी कौतुहल का विषय बनी रही। रामदल में पार्षद अखिलेश सिंह, पार्षद मिथिलेश सिंह, ढब्बा श्रीवास्तव, नितिन श्रीवास्तव, उज्जवल शर्मा, सुदीप केसरवानी, वीरेंद्र कुमार, सावन कुमार आदि मौजूद रहे।

एक करोड़का सरकारी विद्युत उपकरण हड़पनेका आरोप

काम बंद होनेके बाद भी विभागको नहीं लौटाया, अवर अभियंताने दर्ज करायी एफआईआर

बिजली लाइन निर्माण कार्य के लिए आवंटित सरकारी उपकरण वापस नहीं करने के आरोप में कार्यदायी संस्था के प्रोपराइटर आकाश द्विवेदी के खिलाफ कर्नलगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। विभाग के अनुसार, बचे हुए उपकरण की अनुमानित कीमत एक करोड़ तीन लाख रुपये से अधिक है। निर्देश के बावजूद सामग्री जमा नहीं कराने पर सरकारी संपत्ति के दुरुपयोग की आशंका जताई गई है। कर्नलगंज पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही है।

अवर अभियंता राकेश कुमार की ओर से दी गई तहरीर के मुताबिक, बिजनेस प्लान वर्ष २०२४-२५ के तहत मझनपुर विद्युत उपकेंद्र से शाहपुर तक २२ किलोमीटर लंबी ३३ केवी विद्युत लाइन का निर्माण कराया जाना था। इसके लिए पांच सितंबर २०२४ को हुए अनुबंध के तहत मेसर्स अभय इंटरप्राइजेज, प्रतापपुर, फूलपुर के प्रोपराइटर आकाश द्विवेदी को कार्य आवंटित किया गया था। आरोप है कि कार्यदायी संस्था निर्धारित समय में निर्माण कार्य पूरा नहीं कर सकी। काम की प्रगति संतोषजनक नहीं होने पर अधिशासी अभियंता ने २४ सितंबर २०२६ को पत्र जारी कर संस्था को काम करने से रोक दिया। साथ ही लाइन निर्माण से संबंधित बची हुई विभागीय सामग्री स्टोर में जमा कराने का निर्देश दिया गया था। विभाग का आरोप है कि निर्देश के बावजूद सामग्री अब तक जमा नहीं कराई गई। तहरीर में बची हुई सामग्री की अनुमानित कीमत १,०३,३१,९३४ रुपये बताई गई है। विभाग ने सरकारी संपत्ति को अनधिकृत रूप से अपने कब्जे में रखने और उसके दुरुपयोग की आशंका जताते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। कर्नलगंज पुलिस का कहना है कि एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

एसआरएन में जूनियर डाक्टरोंका नहीं सुधर रहा रवैया, तीमारदार परेशान

प्राचार्यने आचरण एवं स्वभावमें बदलावके लिए 'छात्र समन्वय परिषद्' का किया है गठन

स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल में तीमारदारों के प्रति जूनियर डाक्टरों के व्यवहार में कोई सुधार आता नहीं दिख रहा है। अस्पताल में जूनियर डाक्टर तीमारदारों के साथ बदसलूकी एवं मारपीट अक्सर करते रहते हैं, जिसका जीता जागता उदाहरण बीते गुरूवार को एसआरएन अस्पताल में फिर देखने को मिला। जूनियर डाक्टरों ने इलाज के लिए आए एक मरीज के तीमारदारों के साथ मारपीट की बल्कि उन्हें एक कमरे में बंधक बनाने का भी प्रयास किया। जबकि छह माह पूर्व हुयी जूनियर डाक्टरों एवं वकीलों के बीच मारपीट के मामले में मेडिकल कालेज के प्राचार्य जूनियर डाक्टरों को व्यवहार का पाठ पढ़ाने का दावा किया गया था, लेकिन उसपर अब तक अमल नहीं कराया गया। अल्लापुर निवासी सर्वेश शुक्ला की तहरीर के मुताबिक वह गुरूवार रात अपने ड्राइवर कृष्ण कुमार केसरवानी के साथ मरीज नरबहादुर को लेकर एसआरएन अस्पताल पहुंचे। आरोप है कि ट्रामा सेंटर में ड्यूटी में तैनात जूनियर डाक्टर ने मरीज की हालत गंभीर होने के बावजूद इलाज करने से मना कर दिया, तीमारदारों ने जब इलाज के लिए मिन्नते की तो डाक्टर आगबबूला हो हो गये और गाली गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर करीब २५-३० जूनियर डाक्टर पहुंच गये और सर्वेश शुक्ला एवं उनके ड्राइवर को जबरन खींचकर कमरे के अंदर ले गये और मारपीट की। मारपीट के मामले को लेकर मेडिकल कालेज के प्राचार्य ने बताया कि मेडिसिन के विभागाध्यक्ष से रिपोर्ट मांगी गयी है, रिपोर्ट आने के बाद जांच कमेटी की गठन की जायेगी।एसआरएन अस्पताल में जूनियर डाक्टरों की तीमारदारों के साथ हिंसक झड़प का यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले २० मई को भी जूनियर डाक्टरों और वकीलों के बीच ट्रामा सेंटर में हिंसक झड़प एवं मारपीट का मामला सामने आया था। इस घटना के बाद मोतीलाल नेहरू मेडिकल कालेज के तात्कालीन प्राचार्य डा. वीके पाण्डेय को पद से हदा दिया गया था, जबकि २० रेजिडेंट डाक्टरों को निलंबित कर दिया था। मेडिकल कालेज प्राचार्य ने दावा किया था जूनियर डाक्टरों को व्यवहार का पाठ पढ़ाया जायेगा। इसी कड़ी में एक जुलाई २०२६ को 'छात्र समन्वय परिषद्' का गठन किया गया था। इस परिषद की जिम्मेदारी डा.मुकुल सिंह अध्यक्ष, सचिव डा.बादल सिंह एवं सह सचिव डा. संतोष कुमार सिंह को सौंपी गयी थी।जिसमें विभिन्न विभागों के शिक्षकों को सदस्य बनाया गया था। इस परिषद् को बनाने का मुख्य उद्देश्य जूनियर डाक्टरों की समस्याओं का समाधान करना, उनकी नियमित काउंसलिंग एवं मरीजों व उनके तीमारदारों के साथ बेहतर संवाद और संवेदनशील व्यवहार बनाना है।

मारपीटके आये दिन आते हैं मामले

एसआरएन अस्पताल में डाक्टर एवं तीमारदारों के बीच मारपीट का यह कोई नया मामला नहीं है। इससे पहले २० मई २०२६को वकीलों के साथ मारमीट, २२ सितंबर २०२५ को सर्जरी विभाग के सेकेण्ड ईयर रेजिडेंट डा. अनुराग कुमार के साथ मारपीट का आरोप, ३० अप्रैल २०२६, १७ अक्टूबर २०२५, तीन सितंबर २०२४, सात अप्रैल २०२३, १६ अक्टूबर २०२२ एवं २३ अप्रैल २०२१ को डाक्टरों एवं तीमारदारों के बीच मारपीट की घटनांए हुयी थीं।

सामाजिक न्याय व्याख्यानमाला २५ को, जुटेंगे कांग्रेसी

संविधान सुरक्षा परिषद एवं किसान मजदूर मंच द्वारा रविवार २५ अक्तूबर को पूर्वाहन ११ बजे अलोपीबाग स्थित सरदार पटेल संस्थान में सामाजिक न्याय व्याख्यानमाला का आयोजन किया जायेगा। इस कार्यक्रम में कांग्रेसियों का जमावड़ा होगा। व्याख्यान माला के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, विशिष्ट अतिथि प्रदेश कांग्रेस प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम तथा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विधायक आराधना मिश्रा मोना तथा प्रदेश कांग्रेस सह प्रभारी वरुण चौधरी होंगे। वहीं दूसरी ओर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष विधायक आराधना मिश्रा का प्रथम नगर आगमन भी २५ अक्तूबर को होगा। श्रीमती मिश्रा के स्वागत की जगह-जगह तैयारी की जा रही हैं । शांतिपुरम चौराहा एवं तेलियरगंज में स्वागत के बाद वह इंदिरा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगी । वहां से डाक्टर आम्बेडकर, सुभाष बोस , चंद्रशेखर आजाद ,पं. नेहरू, महात्मा गांधी आदि महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण करेंगी। प्रदेश अध्यक्षा कमला नेहरू रोड स्थित शंकर लाल मेमोरियल हाल में प्रयागराज जोन के अंतर्गत आने वाले जनपदों के अध्यक्षों तथा प्रमुख पदाधिकारियों की बैठक में अपराह्न १ बजे भाग लेंगी। प्रयागराज जोन बैठक में कांग्रेस के प्रभारी सचिव वरुण चौधरी भी विशेष रूप से मौजूद रहेंगे।

कार्यकारिणी सदस्योंकी मतगणनामें सौरभ सबसे आगे

हाईकोर्ट बार चुनाव : प्रवीण तिवारी दूसरे और देवाशीष तीसरे स्थान पर

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, इलाहाबाद के चुनाव में कार्यकारिणी सदस्य (पुरुष) की मतगणना में शुक्रवार को सौरभ शुक्ला ७०६ मतों के साथ सबसे आगे रहे। आचार्य प्रवीण तिवारी दूसरे और देवाशीष त्रिपाठी तीसरे स्थान हैं।

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, इलाहाबाद के वार्षिक चुनाव २०२६-२७ की मतगणना के २२वें दिन शुक्रवार को लाइब्रेरी हाल में कार्यकारिणी सदस्य (पुरुष) के १० पदों के ४५०७ मतपत्रों की गणना हुई। मुख्य चुनाव अधिकारी एवं वरिष्ठ अधिवक्ता सैय्यद फरमान अहमद नकवी ने बताया कि मतगणना में अब तक प्रत्याशी सौरभ शुक्ला को ७०६,आचार्य प्रवीण तिवारी को ६६१, देवाशीष त्रिपाठी को ६०३, अंकुश यादव को ५६२,कृष्ण मोहन सिंह को ५३७, अखिलेश कुमार शुक्ला को ५२३,चित्रांशु श्रीवास्तव को ५२२,आदित्य सिंह को ५२२, अमित सिंह बिसेन को ५१९, अभिषेक तिवारी को ५०१, जफर अली को ५०१, सचिन शर्मा ४९१,कुलदीप त्रिपाठी ४८२,मोहित कुमार तिवारी को ४७३,विनय कुमार साहू ४७९, अफजल अली को ४६८ मत मिले। कार्यकारिणी सदस्य के लिए कुल १०० प्रत्याशी चुनाव मैदान में है। मतगणना के दौरान मुख्य चुनाव अधिकारी सैय्यद फरमान अहमद नकवी, चुनाव अधिकारी वशिष्ठ तिवारी, जेबी सिंह, राज कुमार शुक्ला,अनुभव शुक्ला सहित अधिवक्ता शैलेन्द्र सिंह राठौर,राहुल सिंह, मनोज कुमार सिंह,विक्रम बहादुर सिंह, दीपक राणा, दीपक यादव, अरूण कुमार सिंह, सुशील कुमार शुक्ला, सुशील कुमार यादव आदि मौजूद रहे। मुख्य चुनाव अधिकारी ने बताया कि शनिवार को अपने निर्धारित समयानुसार लाइब्रेरी हाल में मतगणना होगी।

नैनी जंक्शनपर जनसंवाद करके यात्रियोंसे लिया फीडबैक

यात्रियों को सुरक्षित, स्वच्छ एवं सुविधाजनक रेल यात्रा उपलब्ध कराने तथा रेलवे से सम्बन्धित समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मण्डल द्वारा जनसंवाद को प्राथमिकता दी जा रही है। इसी क्रम में अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) एम एम वारिस ने शुक्रवार को नैनी जंक्शन पर यात्रियों एवं लिंक जंक्शन पर ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं, अपेक्षाओं एवं सुझावों की जानकारी प्राप्त की।

नैनी जंक्शन पर उन्होंने स्टेशन पर उपस्थित यात्रियों से बातचीत कर उपलब्ध यात्री सुविधाओं के संबंध में फीडबैक लिया। इस दौरान यात्रियों की समस्याओं एवं सुझावों को गम्भीरता से सुना गया। अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) ने कहा कि यात्रियों की संतुष्टि, सुविधा एवं सुरक्षा रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं।

मां कल्याणीके दरबारमें दो दिवसीय ढेड़िया महोत्सव आजसे

सोनेकी ढेड़िया धारण करेंगी मां कल्याणी

ढेड़िया के पुनीत पर्व पर शक्तिपीठ मां कल्याणी देवी जी का दो दिवसीय वार्षिक महा श्रृगार २४ एवं २५ अक्तूबर को होगा। मां कल्याणी देवी जी का श्रृंगार सम्पूर्ण सोने के आभूषणों, एवं बेला, गुलाब के पुष्पों से किया जायेगा, माँ अपने हाथों में सोनें की ढेड़िया धारण कर भक्तों का कष्ट हरेंगी। मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि पूरे मंदिर की सज्जा दिनेश शर्मा (डीके आर्टीशियन) द्वारा फूलों, फलों एवं अनेक श्रृंगार सामग्री के द्वारा बहुत आकर्षक ढंग से सजाया जायेगा। मां कल्याणी जी के श्रृंगार का दर्शन दोनों दिन २४ एवं २५ अक्तूबर की शाम छह बजे से रात्रि १२ बजे तक भक्तों को प्राप्त होगा। मां की महाआरती शाम सात बजे उतारी जायेगी। इसके अलावा मां कल्याणी जी का महाभिषेक, षोडशोपचार पूजन पं. श्याम पाठक करेंगे। मां का महाश्रृंगार एवं महाआरती पं. सुशील पाठक करेंगे। उन्होंने बताया कि विद्वान ब्राह्मणों के द्वारा नवचंडी दुर्गा सप्तशती का पाठ किया जायेगा और ढेड़िया का यह श्रृंगार विगत १५० वर्षों से मां कल्याणी जी के मंदिर में किया जाता है, यह श्रृंगार प्रयागराज के विशिष्ट श्रृंगार में अपना स्थान रखता है।

पुराने यमुना पुलके नीचे हटायी गयी अवैध बस्ती



पुराने यमुना पुल के नीचे गऊघाट क्षेत्र में बसी अवैध मलिन बस्ती को हटाने के लिए शुक्रवार को नगर निगम ने बड़ा अतिक्रमण अभियान चलाया। नगर निगम की टीम भारी सुरक्षा बल के साथ मौके पर पहुंची और बस्ती को पूरी तरह खाली कराते हुए सभी झोपड़ियों को गिरा दिया गया। बस्ती में रहने वाले लोग अपने सामानो को हटाने में जुट गए। पुराने यमुना पुल के नीचे लंबे समय से बड़ी संख्या में झोपड़ियों बनी हुई थीं। यह बस्ती यमुना के किनारे और पुल के पिलरों के आसपास रेलवे की भूमि पर बसी हुई थी, जिससे पुल की सुरक्षा और यमुना की सफाई के साथ रेलवे का एक बड़ा प्रोजेक्ट तैयार होना हैं। कई बार शिकायतों के बाद नगर निगम ने इसे हटाने का फैसला लिया। अतिक्रमण हटाने के लिए नगर निगम की टीम के साथ भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। अभियान शुरू होने से पहले टीम ने बस्ती में रहने वाले लोगों को सामान समेटने और जगह खाली करने का समय दिया। इसके बाद जेसीबी मशीनों की मदद से एक-एक करके सभी झोपड़ियों को ढहा दिया गया। इस दौरान बस्ती में रहने वाले लोगों में हड़कंप मच गया। कई परिवारों ने अपना सामान उठाकर आसपास की जगहों पर रखना शुरू कर दिया। कुछ लोगों ने विरोध भी किया, लेकिन पुलिस की मौजूदगी के कारण अभियान शांतिपूर्ण ढंग से पूरा हुआ।

कैबिनेट मंत्री नंदीके सरकारी लेटरपैडकी कूटरचना, दो नामजद

कंप्यूटरसे डिजिटल डाटा एवं महत्वपूर्ण दस्तावेज चोरी करनेका आरोप

कैबिनेट मंत्री एवं शहर दक्षिणी के विधायक नंद गोपाल गुप्ता नंदी से जुड़े डिजिटल डाटा और महत्वपूर्ण दस्तावेजों के दुरुपयोग के मामले में कोतवाली पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

आरोप है कि दोनों ने साजिश के तहत कंप्यूटर से डाटा और दराज से महत्वपूर्ण दस्तावेज चोरी किए। इसके अलावा मंत्री के सरकारी लेटरपैड की कूटरचना कर उसका इस्तेमाल करने की तैयारी थी। मंत्री के सोशलमीडिया एवं मीडिया सलाहकार दिव्यांश शेखर सिंह ने गौरव मिश्रा, वीडियो एडिटर एवं ग्राफिक्स डिजाइनर एवं पूर्व कर्मचारी दुर्गेश कुमार सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज करायी है। कोतवाली पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस को दी गई तहरीर के मुताबिक, मंत्री के सोशल मीडिया एवं मीडिया सलाहकार दिव्यांश शेखर सिंह की टीम में गौरव मिश्रा वीडियो एडिटर और ग्राफिक्स डिजाइनर के रूप में काम करता था। उसके पास मंत्री से संबंधित डिजिटल डाटा, फोटो, हार्ड डिस्क और यूट्यूब अकाउंट का एक्सेस था। आरोप है कि गौरव ने पूर्व में नौकरी से निकाले गए दुर्गेश कुमार सिंह के साथ मिलकर इन संसाधनों का दुरुपयोग किया। तहरीर में कहा गया है कि कार्यालय के अन्य कर्मचारियों ने जब कंप्यूटर और दराज की जांच की तो डाटा और महत्वपूर्ण दस्तावेज गायब मिले।

यह भी आरोप लगाया गया है कि दोनों ने मंत्री के सरकारी लेटरपैड की कूटरचना की थी और उसका विभिन्न स्थानों पर इस्तेमाल करने की योजना बना रहे थे।

मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपितों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। पुलिस का कहना है कि प्रकरण की जांच में डिजिटल डाटा और दस्तावेजों के कथित दुरुपयोग के साथ ही पूरे मामले में अन्य लोगों की भूमिका और आरोपितों की मंशा की पड़ताल की जा रही है।

दारागंजमें भरत मिलाप एवं पजावा-पथरचट्टीका राजगद्दी समारोह कल

दारागंज में भरत मिलाप और पजावा में राजगद्दी समारोह का आयोजन २५ अक्तूबर की शाम होगा। श्री दारागंज रामलीला कमेटी का ऐतिहासिक भरत मिलाप का अंतिम आयोजन, निराला चौराहे पर होगा और सुबह भगवान की सवारी संगम स्नान को जाएगी। साथ ही इस वर्ष के दशहरे का समापन होगा। इसी के साथ ही श्री महन्त बाबा हाथीराम पजावा रामलीला कमेटी का भव्य राजगद्दी समारोह रात बजे पजावा रामलीला मैदान अतरसुइया परिसर में होगा। जिसमें सुप्रसिद्ध मुंबई के गायक एवं इंडियन आइडल के सहभागिता कर चुकी राधा श्रीवास्तव एवं अमित रंजन श्रीवास्तव भक्ति संगीत एवं लोक नृत्य का कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। इसी तरह श्री पथरचट्टी रामलीला कमेटी की ओर से पथरचट्टी परिसर में राजगद्दी समारोह का आयोजन किया जायेगा।

दशहरा सम्पन्न होनेके बाद अब कार्तिक मेलेका होगा आगाज

सफाई, प्रकाश व्यवस्था, महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम और शुद्ध पेयजलकी सुविधाएं देगा नगर निगम

दशहरा सम्पन्न होने के बाद अब यमुना तट और संगम तट पर आगामी शरद पूर्णिमा यानी २५ अक्तूबर से कार्तिक पूर्णिमा के स्नान तक यानी २४ नवंबर तक कार्तिक मेले का आयोजन होगा। जिसकेक दृष्टिगत श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से महापौर ने शुक्रवार को ने घाटों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने घाटों पर साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम तथा शुद्ध पेयजल की उपलब्धता का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

महापौर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्तिक मेले के प्रारंभ होने से पूर्व सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूरी कर ली जाएं, ताकि स्नान एवं पूजन-अर्चन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने घाटों और आसपास के क्षेत्रों में नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने, श्रद्धालुओं के आवागमन वाले मार्गों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था बनाए रखने तथा खराब लाइटों को समय से ठीक कराने के निर्देश दिए। महिलाओं की सुविधा और गरिमा को ध्यान में रखते हुए चेंजिंग रूम की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। साथ ही, श्रद्धालुओं को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक इंतजाम करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि मेले के दौरान घाटों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं, इसलिए सभी व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी की जाए और किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। महापौर ने कहा कि प्रयागराज की धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं में कार्तिक मास का विशेष महत्व है। ऐसे में नगर निगम की प्राथमिकता है कि श्रद्धालुओं को स्वच्छ, सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराया जाए। इसके लिए सभी संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए व्यवस्थाओं को समयबद्ध तरीके से पूर्ण कराएं।

निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय पार्षद रूद्र सेन जायसवाल, अरुण सिंह चौहान, राजू पाठक, गिरिजेश मिश्रा, वेदपति पांडे, अंकुश शर्मा, मोनू, शुभम वैद्य, प्रियम वैद्य, शांतनु शर्मा, नगर निगम के अवर अभियंता राम सक्सेना, विद्युत विभाग के अवर अभियंता दीपक कुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बाजारोंमें ढेड़िया की रही मांग



शरद पूर्णिमा को पारंपरिक ढेड़िया पर्व मनाया जायेगा। नगर के मुख्य बाजारों चौक, लोकनाथ, खुल्दाबाद, सिविल लाइंस, कटरा, तेलियरगंज, अलोपीबाग, दारागंज में मिट्टी के बने ढेड़िया की खूब मांग रही है।

यह पर्व भाई-बहन के अटूट प्रेम और उनकी लंबी उम्र व सुख समृद्धि की कामना का प्रतीक है। ढेड़िया मिट्टी से बना एक खास झरोखेदार बर्तन या दीप पात्र होता है। इसके अंदर एक जलता हुआ दीपक रखा जाता है। इस प्राचीन परंपरा में बहनें सिर या हाथों पर जलता हुआ ढेड़िया लेकर लोकनृत्य करती हैं। इसके बाद वह अपने भाइयों की आरती उतारकर उनकी खुशहाली की दुआ मांगती हैं। यह प्रयागराज और आस पास के इलाकों की पुरानी परंपरा हैं।

फलोंके भावमें बना रहा उतार-चढ़ाव

मण्डी में फलोंके दामों में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। शुक्रवार को अमरूद एक सौ रूपये या अधिक में बिका। सेब भी रु ८०० से लेकर १२ सौ रुपये तक गुणवत्ता के अनुसार रहा। मोसम्मी रु ११००से लेकर १२०० रुपये, केला रु ३५० से लेकर ५०० रुपये क्रेट, शरीफा एक सौ रुपये किलो, कीवी रु १२० से १८० रुपये की रेंज में, पपीता रु ४० प्रति किलो, अनार रु ६०० से लेकर १२०० रुपये गत्ता आदि फलों का भाव रहा।

टीजीटी-पीजीटी अभ्यर्थी २६ को घेरेंगे शिक्षा निदेशालय

टीजीटी-पीजीटी भर्ती में पुरानी नियमावली बहाल करने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे अभ्यर्थियों ने गुरुवार रात कैंडल मार्च निकाला। इसके बाद बख्शी बांध पर बैठक कर आगे के आंदोलन की रणनीति तय की। अभ्यर्थियों ने ऐलान किया कि मांगों पर ठोस काररवाई नहीं हुई तो २६ अक्तूबर को शिक्षा निदेशालय का घेराव करेंगे। अभ्यर्थियों का आरोप है कि मुख्यमंत्री के आश्वासन के बावजूद उनकी मांगों पर अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। छात्र नेताओ ने कहा कि मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद ही अभ्यथिर्यों ने अपना आमरण अनशन समाप्त किया था। जिलाधिकारी और पुलिस आयुक्त ने भी समस्याओं के समाधान का भरोसा दिलाया था, लेकिन अब तक पुरानी नियमावली बहाल नहीं की गई। अभ्यर्थियों को अपना पक्ष रखने का अवसर भी नहीं मिला है। छात्र नेताओं ने सवाल उठाया कि जब मुख्यमंत्री स्वयं आश्वासन दे चुके हैं, तो अब तक ठोस कार्रवाई क्यों नहीं हुई? उनका कहना है कि भर्ती से जुड़ी राहत की खबर आने के बावजूद पुरानी नियमावली की मांग कर रहे अभ्यर्थियों को न्याय नहीं मिल रहा है। लंबे समय से संघर्ष कर रहे छात्रों के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर सरकार को गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। अभ्यर्थियों की प्रमुख मांग है कि टीजीटी-पीजीटी भर्ती में पुरानी नियमावली बहाल की जाए। साथ ही मुख्यमंत्री और जिला प्रशासन की ओर से दिए गए आश्वासनों के अनुरूप समस्याओं का समाधान किया जाए और अभ्यथिर्यों को अपना पक्ष रखने का अवसर मिले। अभ्यर्थियों ने कहा कि उनका आंदोलन शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांगें सरकार तक पहुंचाने के लिए है। उन्होंने चेतावनी दी कि सकारात्मक पहल नहीं हुई तो